रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

व्यावहारिक धरातल पर फलीभूत हो एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पनाः कुलपति प्रो. मिश्र

एक भारत, श्रेष्ठ भारत पर दो दिवसीय वेबिनार का समापन

जबलपुर। भारतीय संस्कृति में सभी को एक कर विश्वगुरू बनने भाव है। आदिगुरू शंकराचार्य ने एकीकार कर सामाजिक एकता के लिए कार्य किया और महान गुरू चाणक्य से लेकर अन्य शिक्षकों ने अखण्ड भारत की अलख जगाते हुए भारतीय परम्परा के अनुसार कार्य किया। सभी को मिलकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को व्यावहारिक धरातल पर फलीभूत करने के लिए प्रयास करना चाहिए। उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने दो दिवसीय ऑनलाईन वेबिनार के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

रादुविवि में एक भारत, श्रेष्ठ भारत– जानो अपना पूर्वोत्तर भारत विषय पर दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। यूजीसी के मार्गदर्शन में यह भारत की सभी यूनिवर्सिटीज में शुरू हुआ एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें हर एक प्रान्त को, किसी दूसरे प्रान्त के साथ सहभागिता कर के उस प्रान्त की सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर प्राप्त होता है। इसी तारतम्य में मध्यप्रदेश और मणिपुर राज्य के साथ सहभागिता में इस वेबिनार के दूसरे दिन विषय विशेषज्ञ के रूप में डिप्टी डायरेक्टर तकनीकी शिक्षा डॉ. भबेश्वर तुंगराम ने मणिपुर की वास्तुकला, हस्तशिल्प, खेल, संस्कृति विरासत आदि के बारे में जानकारी दी गई। वेबीनार समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एस.पी. तिवारी ने भी मप्र एवं पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर विचार व्यक्त किए। अंत में आभार प्रदर्शन वेबिनार संयोजक प्रो. पी.के. सिंघल एवं संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. अश्विनी जायसवाल ने किया।

हैण्ड सेनेटाइजर एवं सरफेस सेनेटाइजर का निर्माण

आत्म निर्भर बनाने की सकारात्मक पहल–कुलपति प्रो. मिश्र

वैश्विक महामारी कोविड–19 के संक्रमण को देखते हुये विश्वविद्यालय के अतिथि विद्वानों द्वारा कौशल विकास संस्थान के सहयोग से तैयार सूती कपड़े का मास्क, हैण्ड सेनेटाइजर एवं भवनों में छिड़काव हेतु सरफेस सेनेटाइजर भेंट किया है।

माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने इस कार्य के लिए पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को आत्म निर्भर बनाने की सकारात्मक पहल है जिसे आगे भी निरंतर जारी रखना है। साथ ही आत्म निर्भर के लिए सभी को जागरुक बनाना अनिवार्य है।

प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने कहा कि कौशल विकास संस्थान के माध्यम से अतिथि विद्वानों द्वारा इस सेनेटाइजर को उपलब्ध कराया गया है तथा इसे व्यापक स्तर पर तैयार कर शीघ्र ही विश्वविद्यालय के सभी विभागों को सेनेटराइज करने हेतु उपलब्ध कराया जायेगा।

इस अवसर पर एन.एस.एस. समन्वयक प्रो. अशोक मराठे, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. मीनल दुबे, डॉ. शैलेष प्रसाद, श्री महावीर त्रिपाठी, डॉ. देवांशु गौतम, डॉ. रीतेश चौरसिया, डॉ. सत्य प्रकाश त्रिपाठी, मोहम्मद इमरान मंसूरी एवं आशीष गर्ग उपस्थित रहे।